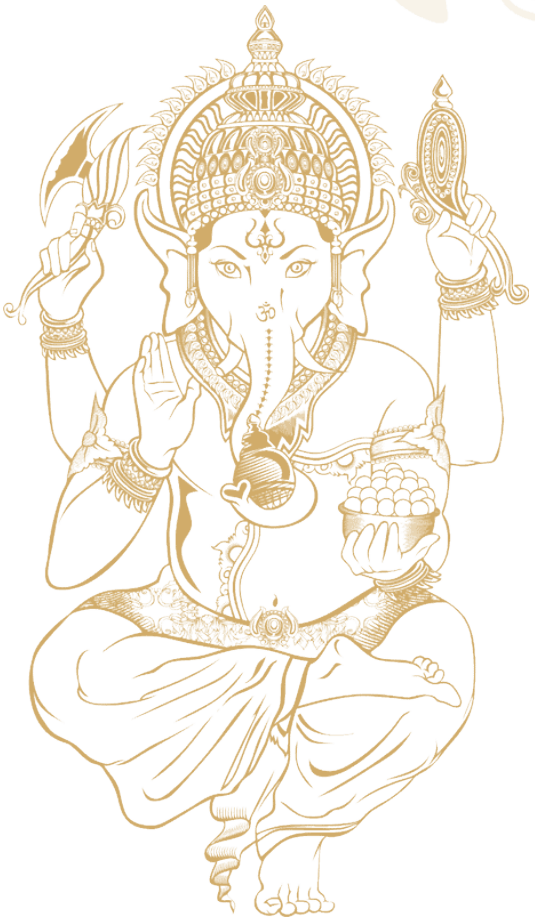

Mr.

13 Sep 2025

11:17 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119439418

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/09/2025**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**23:17:00 घंटे**
इष्ट	42:59:37 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:55:52 घंटे
वेलान्तर	00:04:04 घंटे
साम्पातिक काल	22:27:45 घंटे
सूर्योदय	06:05:09 घंटे
सूर्यास्त	18:28:21 घंटे
दिनमान	12:23:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	26:58:29 सिंह
लग्न के अंश	27:00:14 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वज्र
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वी-वीरसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	27:00:14	346:19:30	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	---
सूर्य			सिंह	26:58:29	00:58:25	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	स्वराशि
चंद्र			वृष	17:47:10	14:12:37	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मूलत्रिकोण
मंगल			तुला	00:03:09	00:39:45	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
बुध		अ	सिंह	27:13:58	01:51:56	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	मित्र राशि
गुरु			मिथु	25:48:46	00:09:30	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	28:44:00	01:12:55	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	04:52:18	00:04:35	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:07:06	00:00:07	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:07:06	00:00:07	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	07:13:22	00:00:23	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	06:48:37	00:01:38	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	07:21:36	00:00:48	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	10:53:21	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:02

लग्न-चलित

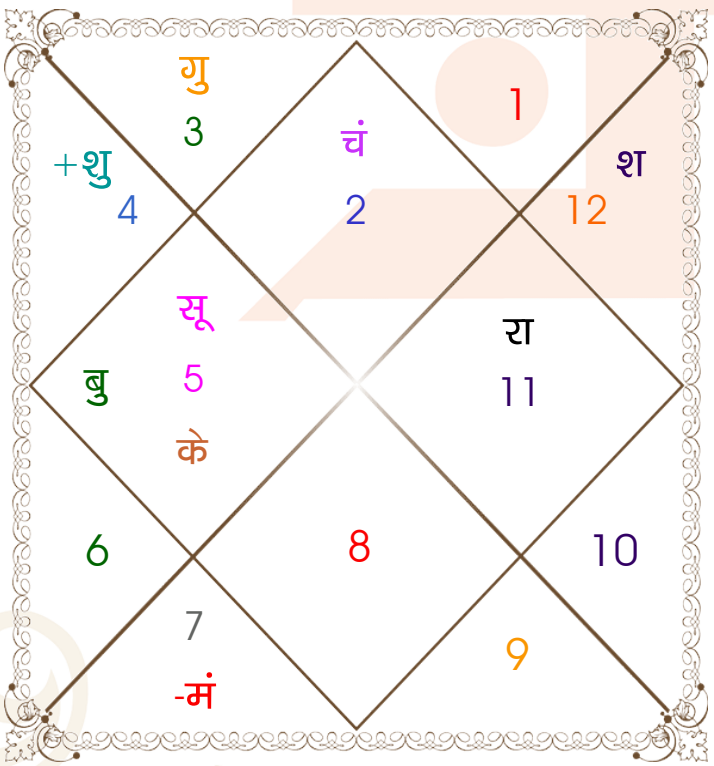

चन्द्र कुंडली

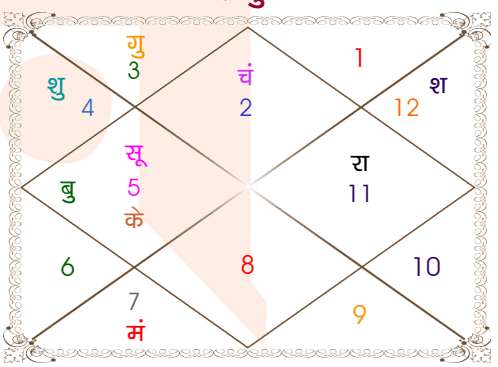

नवमांश कुंडली

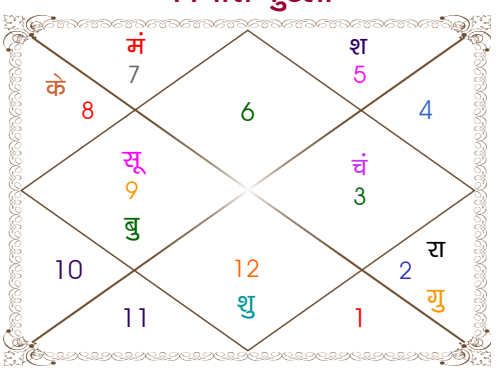

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 1 मास 28 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
13/09/2025		11/11/2029		11/11/2036		11/11/2054		11/11/2070	
11/11/2029		11/11/2036		11/11/2054		11/11/2070		11/11/2089	
	00/00/0000	मंगल	09/04/2030	राहु	25/07/2039	गुरु	30/12/2056	शनि	14/11/2073
	00/00/0000	राहु	28/04/2031	गुरु	18/12/2041	शनि	13/07/2059	बुध	24/07/2076
	00/00/0000	गुरु	03/04/2032	शनि	24/10/2044	बुध	18/10/2061	केतु	02/09/2077
	00/00/0000	शनि	12/05/2033	बुध	13/05/2047	केतु	24/09/2062	शुक्र	02/11/2080
	13/09/2025	बुध	10/05/2034	केतु	30/05/2048	शुक्र	25/05/2065	सूर्य	15/10/2081
बुध	11/02/2027	केतु	06/10/2034	शुक्र	31/05/2051	सूर्य	13/03/2066	चंद्र	16/05/2083
केतु	12/09/2027	शुक्र	06/12/2035	सूर्य	24/04/2052	चंद्र	13/07/2067	मंगल	24/06/2084
शुक्र	12/05/2029	सूर्य	12/04/2036	चंद्र	24/10/2053	मंगल	18/06/2068	राहु	01/05/2087
सूर्य	11/11/2029	चंद्र	11/11/2036	मंगल	11/11/2054	राहु	11/11/2070	गुरु	11/11/2089

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
11/11/2089		12/11/2106		12/11/2113		12/11/2133		13/11/2139	
12/11/2106		12/11/2113		12/11/2133		13/11/2139		00/00/0000	
बुध	09/04/2092	केतु	10/04/2107	शुक्र	14/03/2117	सूर्य	02/03/2134	चंद्र	12/09/2140
केतु	06/04/2093	शुक्र	10/06/2108	सूर्य	14/03/2118	चंद्र	31/08/2134	मंगल	13/04/2141
शुक्र	05/02/2096	सूर्य	15/10/2108	चंद्र	13/11/2119	मंगल	06/01/2135	राहु	13/10/2142
सूर्य	11/12/2096	चंद्र	16/05/2109	मंगल	12/01/2121	राहु	01/12/2135	गुरु	12/02/2144
चंद्र	13/05/2098	मंगल	13/10/2109	राहु	12/01/2124	गुरु	18/09/2136	शनि	12/09/2145
मंगल	10/05/2099	राहु	31/10/2110	गुरु	12/09/2126	शनि	31/08/2137	बुध	14/09/2145
राहु	27/11/2101	गुरु	07/10/2111	शनि	12/11/2129	बुध	07/07/2138		00/00/0000
गुरु	04/03/2104	शनि	15/11/2112	बुध	12/09/2132	केतु	12/11/2138		00/00/0000
शनि	12/11/2106	बुध	12/11/2113	केतु	12/11/2133	शुक्र	13/11/2139		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 2 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।